

डॉ. गैरी मीडर्स, ईश्वर की इच्छा को जानना, सत्र 15, निर्णय

लेने के तरीके के चुनिंदा उदाहरण

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, हम ईश्वर की इच्छा जानने के बाइबिल धर्मशास्त्र पर इस श्रृंखला के अंतिम दो व्याख्यानो पर आ गए हैं। मैंने आपको जो कुछ भी दिया है, वह वही है जो मैंने स्लाइड्स की शुरुआत में आपको बताया था कि मैं आपको मछली पकड़ना सिखाने की कोशिश कर रहा था, न कि आपको सिर्फ एक मछली देना। ईश्वर की इच्छा जानने के बारे में ज़्यादातर साहित्य आपको कदम बताता है; इन्हें करें और जीवन अद्भुत हो जाएगा।

इनमें से बहुत सी बातें बाइबल के अनुसार सत्य हैं, लेकिन वे इस तरह से व्यवस्थित नहीं हैं कि आप एक ऐसी प्रणाली विकसित कर सकें जिससे आप अपनी विवेकशील प्रक्रियाओं में आगे बढ़ सकें। जिस परिवर्तित विश्व मन, विश्वदृष्टि और मूल्य समूह के बारे में हम बात करते हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण है; रोमियों 12:1, और 2, मैंने आपके लिए इसे थोड़ा खोलने की कोशिश की है और आपको कुछ सुझाव दिए हैं कि आप खुद को बाइबल आधारित निर्णय लेने वाले के रूप में कैसे विकसित कर सकते हैं। यह रातों-रात नहीं होने वाला है, और यह आसान भी नहीं है।

इसका मतलब है कि आपको पढ़ना और शोध करना होगा। यह जीवन का एक हिस्सा है। अगर आपको कंप्यूटर तकनीशियन या किसी अन्य क्षेत्र में नौकरी मिली है, तो इससे फर्क पड़ेगा कि आपकी नौकरी क्या है।

आपको अध्ययन करना होगा, आपको कुछ प्रमाणपत्र प्राप्त करने होंगे, आपको यह जानना होगा कि आप क्या कर रहे हैं। यही बात एक ईसाई के लिए भी सच है; यह पार्क में टहलने जैसा नहीं है जहाँ आप ईसाई बन जाते हैं और भगवान आपके सिर में एक डिस्क डाल देते हैं, और सब कुछ ठीक हो जाता है; यह उस तरह से काम नहीं करता है। आपको मसीह की कृपा और ज्ञान में और ईश्वर द्वारा हमें प्रदान की गई विश्वदृष्टि और मूल्य प्रणाली को जीवन के उन मुद्दों पर लागू करने की अपनी क्षमता में वृद्धि करनी होगी जिनका हम सामना करते हैं।

खैर, मैं कई चीजों पर विचार करने जा रहा हूँ। हम ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिसे मैं गंभीर विकास कहूँ। हमें एक कक्षा की आवश्यकता है, स्पष्ट रूप से, इसके लिए हमें बातचीत करने और अन्य चीजों के लिए समय चाहिए।

लेकिन मैं आपको कुछ विचार देना चाहता हूँ और सुझाव देना चाहता हूँ कि आप उन्हें कैसे कार्यान्वित कर सकते हैं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि आपने अपना GM 15 डाउनलोड कर लिया होगा। यह व्याख्यान 15 है, GM 15, विवेक मामले।

मैं जीवन में आने वाली कई चीजों के बारे में बहुत कुछ कहने जा रहा हूँ। इसे हम वास्तव में भाग चार कहते हैं, बाइबिल के विश्वदृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली द्वारा निर्णय लेने का अभ्यास करना।

और यहाँ सिर्फ एक व्याख्यान है, जो आपको बहुत सारा होमवर्क करने के लिए देता है और आपको यह देखने में मदद करता है कि किस तरह की चीज़ों के बारे में सोचना है।

और आप उसमें अपनी खुद की चीज़ें जोड़ सकते हैं। मैं एक और व्याख्यान दूँगा, व्याख्यान 16, मैं इसे परिशिष्ट कहता हूँ, जिस पर मैं अभी प्रकाश डालने जा रहा हूँ। मेरे पास कुछ विवरण हैं जो मैं आपको दूँगा, लेकिन मैं सिर्फ कुछ प्रतिस्पर्धी विचारों पर प्रकाश डालने जा रहा हूँ जो प्रमुख हैं, प्रमुख नहीं हैं, लेकिन परमेश्वर की इच्छा जानने में प्रमुख हैं। हम देखेंगे कि मेरे दृष्टिकोण से हम उससे कैसे संबंधित हैं।

ठीक है। तो, परमेश्वर की इच्छा जानना ईसाइयों के विश्वास को प्रभावित करता है। आइए इस बारे में सोचें।

उदाहरण के लिए, मेरा मतलब है, और ये बहुत आम मुद्दे हैं, मुझे लगता है। उम्र इनमें से बहुत से मुद्दों से संबंधित है। जब आप युवा होते हैं और आपकी शादी हो रही होती है, तो कई संस्कृतियों में, जन्म नियंत्रण का सवाल उठता है।

खैर, अगर बाइबल में कोई बहाना नहीं है, तो आप इसी तरह से गोली या प्रत्यारोपण या उस तरह की कोई चीज़ ले सकते हैं। प्राचीन दुनिया में इस तरह की चीज़ों के लिए उनके अपने तरीके थे। अगर उनका कोई अनचाहा बच्चा होता तो वे उसे एक्सपोज़र देते थे, जो उस बच्चे को प्राकृतिक मौत मरने देना बहुत ही धिनौना काम था।

गर्भपात का यही उनका तरीका था। तो, जन्म नियंत्रण। अब, यदि आप उस प्रश्न का उत्तर देने जा रहे हैं, तो आप खुद से पूछेंगे, क्या मेरे पास इसका उत्तर देने के लिए सीधे बाइबल की आयतें हैं? क्या मेरे पास निहित बाइबल की आयतें हैं, या मुझे उन्हें रचनात्मक रूप से बनाने की आवश्यकता है? और आपको कोई ऐसा प्रमाण पाठ नहीं मिलेगा जो आपको जन्म नियंत्रण का अभ्यास करने के लिए कहता हो।

बल्कि, आपको भजन संहिता में रूपक जैसे पाठ मिलेंगे: वह आदमी खुश है जिसका तरकश भरा हुआ है। तरकश वह होता है जिसमें आप तीर रखते हैं। यह एक प्राचीन शिकार का उपकरण था।

और यह श्लोक बच्चों को संदर्भित करता है। वह व्यक्ति खुशकिस्मत है जिसका तरकश भरा हुआ है। बहुत सारे बच्चे।

खैर, प्राचीन कृषि प्रधान दुनिया में, आपके परिवार बड़े होते थे क्योंकि आपको श्रमिकों की आवश्यकता होती थी, सच कहूँ तो। वे खेती करने, भेड़ पालने, बाग-बगीचों और अंगूर के बागों की देखभाल करने आदि के लिए बड़े हुए। जीवित रहने में सक्षम होने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण था।

सब कुछ परिवार के इर्द-गिर्द ही केंद्रित था। आपका काम खेती करना था। और यह सच है।

शुरुआती अमेरिका में यह सच था। बड़े परिवार। जन्म नियंत्रण के बारे में लगभग नहीं सुना गया था, लेकिन 10 से 15 बच्चे होना आम बात थी।

और फिर खेतों में किए जाने वाले काम की वजह से बच्चे बहुत महत्वपूर्ण थे। और इसलिए, आधुनिक दुनिया में जन्म नियंत्रण का एक अलग दृष्टिकोण रहा है। और सच कहूँ तो, वह दृष्टिकोण वास्तव में, क्या यह हमारी अपनी स्वार्थी इच्छाओं से प्रेरित नहीं है? अगर मेरे बच्चे नहीं हैं, तो सारा पैसा अपने पास, अपनी पत्नी के पास और अपने पास रखूँगा। अगर मेरे बच्चे नहीं हैं, तो मेरे पास बच्चे के जन्म से लेकर कॉलेज और उसके बाद के खर्च के लिए सैकड़ों हज़ारों डॉलर नहीं होंगे।

तो, इसमें बहुत स्वार्थ शामिल है। बाइबल का आदेश है कि बच्चे पैदा करो। बाइबल आपको यह तय करने का आदेश नहीं देती कि आप बच्चे चाहते हैं या नहीं।

आदेश है कि धरती को भर दिया जाए और उसे बढ़ाया जाए। अब आप कहते हैं, ठीक है, यह तब था जब धरती पूरी तरह भरी नहीं थी। अब यह पूरी तरह भरी हुई है।

खैर, संस्कृतियाँ और समय बदल रहे हैं। आप इसे अपने निर्णय लेने की प्रक्रिया में लाते हैं। इसलिए, जन्म नियंत्रण एक रचनात्मक निर्माण होने जा रहा है क्योंकि हमारे पास प्रत्यक्ष छंद नहीं हैं और वास्तव में निहितार्थ छंद भी नहीं हैं क्योंकि सब कुछ दूसरी दिशा में है।

तो, फिर आपको यह सवाल पूछना होगा, ठीक है, अगर मैं जन्म नियंत्रण का अभ्यास करता हूँ तो क्या मैं बाइबल का पालन करने वाला व्यक्ति नहीं बन रहा हूँ? वैसे, रोमन कैथोलिक चर्च अक्सर जन्म नियंत्रण के खिलाफ रहा है क्योंकि वह चाहता था कि आप बहुत सारे बच्चे पैदा करें और सोचता था कि यह बाइबल का तरीका है। और मैं इस पर कोई सख्त बयान नहीं देने जा रहा हूँ। मेरी पत्नी और मुझे बच्चे नहीं हुए हैं।

बचपन में उसे रूमेटिक बुखार था और यह आपके भविष्य के लिए बांझपन का कारण बनता है। और इसलिए, हमें बच्चे नहीं मिले, लेकिन यह हमारी पसंद नहीं थी। कई बार यह लोगों की पसंद नहीं होती।

इसलिए, यह कुछ ऐसा है जिसे आप इस बारे में निर्णय लेते समय देखेंगे। आपके पास कोई प्रमाण पाठ नहीं है। आपको इस पर विचार करना होगा।

और यहाँ आप उलझन में हैं क्योंकि बाइबल और बाइबल के समय में ऐसा होना अपेक्षित था। यह एक सामान्य बात थी। खेती-किसानी करने के लिए, वारिस होने के लिए बच्चे पैदा करना ज़रूरी था।

वह आपकी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली थी, खास तौर पर ज्येष्ठ पुत्र और पुरुषों के बच्चों के लिए, जो परिवार के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रणाली थी। इसलिए, संस्कृतियाँ बहुत अलग हैं। इसलिए जब हम ईश्वर को पाने की कोशिश करते हैं तो हम जन्म नियंत्रण के उस सवाल पर बहुत से अलग-अलग सवाल उठाते हैं।

तो यह ऐसी चीज़ है जिसका आप अध्ययन करते हैं। आप अपनी परंपराओं, अपने चर्च और धर्मशास्त्रीय चीज़ों से ज्ञान की तलाश करते हैं, जिन्हें आप व्यापक रूप से पढ़ते हैं, ताकि यह पता चल सके कि वे क्या कहते हैं। दूसरा है प्रजनन तकनीक।

मान लीजिए कि आप बच्चे पैदा करना चाहते हैं, लेकिन आप ऐसा नहीं कर सकते। आप इन विट्रो फर्टिलाइजेशन का उपयोग करते हैं। आपका बच्चा बीमार है और डॉक्टर कहते हैं कि आपको अपने बच्चे को स्वस्थ बनाने के लिए अन्य भ्रूण ऊतक की आवश्यकता है।

इसका मतलब यह है कि बच्चा तर्क के लिए स्वाभाविक रूप से गर्भपात नहीं कहेगा। उस बच्चे के भ्रूण के ऊतकों का उपयोग करने के बारे में आपका विवेक क्या है? या यहां तक कि गर्भपात किए गए बहुत से बच्चों को भी विज्ञान के उस मिश्रण में डाल दिया जाता है। तो, ऐसे बहुत से प्रश्न हैं जिनके बारे में बाइबल आपको कोई पाठ नहीं देती।

आपको पूछना होगा कि मेरा ईसाई विश्वदृष्टिकोण और मेरी मूल्य प्रणाली क्या है, और मैं इस पर कैसे विचार करूँ? यह आसान नहीं है। यह सरल नहीं है। आपको देखना होगा कि जो लोग इन चीज़ों पर लिखने में सक्षम हैं, वे क्या लिखते हैं, न कि कोई ऐसा व्यक्ति जो आपको बताना चाहता है कि वे क्या सोचते हैं।

इसे भूल जाइए। जब आप कुछ जानना चाहते हैं, तो आपको यह सवाल पूछना होगा। क्या मैं जिस व्यक्ति के बारे में पढ़ रहा हूँ, वह जानने की स्थिति में है, सही-सही बोलने की स्थिति में है? इसका मतलब है कि प्रजनन से जुड़ी चीज़ों के बारे में; आपको डॉक्टर और धर्मशास्त्री को पढ़ने की ज़रूरत हो सकती है।

एक धर्मशास्त्री इसे बाइबिल के विश्वदृष्टिकोण से देखता है, और एक डॉक्टर इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखता है। आपके पास यहाँ चीज़ों की एक बहुत बड़ी रेंज है। अब, यह बहुत काम है।

और आप कहेंगे, मैंने इस पर विश्वास नहीं किया। खैर, अगर आपने इस पर विश्वास नहीं किया, तो आप किस पर विश्वास करेंगे? आप अपने निर्णय कैसे लेंगे? क्योंकि आप उन्हें किसी न किसी तरह से लेंगे। आपने जो किया उसके लिए कम से कम आपके पास कुछ कारण तो नहीं हैं।

गर्भपात एक और मुद्दा है। हमारे पास गर्भपात पर कोई प्रत्यक्ष पाठ नहीं है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत सारे निहितार्थ वाले पाठ हैं।

अब, आप कह सकते हैं, ठीक है, जब उन्होंने बच्चों को उजागर किया, तो मूसा का खुलासा हुआ। उसे झाड़ियों में डाल दिया गया। यही तो वे मांग कर रहे थे: पुरुषों, पैदा हुए बच्चों, लड़कों और शिशुओं से छुटकारा पाना।

और उन्होंने उन्हें उजागर करने के लिए बाहर रखा। यह प्राचीन तरीका था। और आप यह नहीं कह सकते कि आप इसे सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं करेंगे, है न? आप अपने बच्चे को नहर में टोकरी में डालकर नहीं ले जाएँगे, आप जेल जाएँगे।

प्राचीन दुनिया में गर्भपात का पर्दाफाश किया गया था। खैर, आज, हमारे पास ये सभी फैसी तकनीकें हैं। और आपके पास यह बड़ी बहस है कि भ्रूण कब एक व्यक्ति बन जाता है? परंपरागत रूप से, ईसाई चर्च ने कहा है कि गर्भाधान तब होता है जब भ्रूण एक व्यक्ति बन जाता है।

और फिर बलात्कार और अनाचार और उस तरह की चीजों के लिए सुबह-सुबह गोली भी थी। और वे बच्चे को गर्भाशय की दीवार पर प्रत्यारोपित करने से पहले ही गिरवी रख सकते थे। इसके परिणामस्वरूप, इसे गर्भपात नहीं माना जाता था।

इसलिए, उन्होंने सुबह-सुबह गोली ले ली। जीवन कब शुरू होता है, इसकी परिभाषा समय के साथ बदल गई है। पहले यह माना जाता था कि जीवन गर्भाधान से शुरू होता है।

दाऊद ने भजन 51 में इसके बारे में बात की है, और पाप में मेरी माँ ने मुझे गर्भ में धारण किया। इसका मतलब यह नहीं है कि सेक्स एक पाप है, लेकिन इसका मतलब है कि मैं एक व्यक्ति था, और मैं गर्भाधान से ही पापी था। खैर, बेशक, आधुनिक दुनिया में, उन्होंने इसमें बहुत कुछ बदल दिया है।

डॉक्टरों ने इसमें कुछ बदलाव किए। उदाहरण के लिए, डॉक्टरों ने यह विचार सामने रखा कि व्यक्ति तब शुरू होता है जब इसे, मैं इसे भ्रूण कहता हूँ, मैं वैज्ञानिक नहीं हूँ, शायद गलत बोल रहा हूँ, लेकिन जब इसे गर्भाशय की दीवार में प्रत्यारोपित किया जाता है ताकि यह अपने शरीर और उन सभी अन्य चीजों को विकसित करना शुरू कर दे। इसलिए, उन्होंने उस अर्थ में परिभाषा बदल दी।

हाल ही में, डॉक्टरों से ज़्यादा दार्शनिक इस मामले में शामिल हो गए हैं। अमेरिका में, संयुक्त राज्य अमेरिका में, हमारे पास एक ऐसा समूह है जिसे वे प्लान्ड पैरेंटहुड समूह कहते हैं। प्लान्ड पैरेंटहुड जन्म के समय तक भी गर्भपात के पक्ष में है।

इसलिए उन्होंने वैज्ञानिक रूप से नहीं, बल्कि दार्शनिक रूप से परिभाषा बदल दी। इसे अपने लिए सुविधाजनक बनाने और अपने कार्यों को उचित ठहराने के लिए। और वे कहते हैं कि एक व्यक्ति तब तक व्यक्ति नहीं होता जब तक वह पैदा नहीं होता।

और मुझे यकीन नहीं है कि वे इसे कैसे खोजते हैं क्योंकि एक या दूसरे कारण से जन्म के बाद गर्भपात के बारे में भी कुछ कहानियाँ हैं। मैं इस पर कोई विशेषज्ञ नहीं हूँ, लेकिन आप सभी गर्भपात के इस मुद्दे के बारे में हर संस्कृति में बहुत जागरूक हैं। यदि आप ईश्वर की इच्छा पूरी करने जा रहे हैं, तो आपको यह समझना होगा कि बाइबल जीवन के बारे में, जीवन के सम्मान के बारे में और जीवन को कौन नियंत्रित करता है, इसके बारे में क्या सिखाती है क्योंकि यहीं से आपको जानकारी मिलती है।

इस समस्या को हल करने के लिए आपको एक रचनात्मक निर्माण की आवश्यकता होगी। कोई सबूत नहीं। इच्छामृत्यु भी इसी श्रेणी में आती है।

यहाँ तक कि चिकित्सक की सहायता से इच्छामृत्यु। यहाँ तक कि आत्महत्या भी। बाइबल में आत्महत्या की कुछ घटनाएँ हैं, लेकिन हमारे पास इस बारे में कोई शिक्षा नहीं है कि यह सही है या गलत, या इसे कैसे किया जाना चाहिए, और इच्छामृत्यु, चिकित्सक की सहायता से आत्महत्या, या आत्महत्या के बारे में ये सभी मुद्दे।

हालाँकि, आपको इसे अपने विश्वदृष्टिकोण में रखना होगा। इसलिए, आपको इस बारे में बात करने के लिए सीधे निहित से रचनात्मक संरचनाओं तक की सीढ़ी चढ़नी होगी। तो, आप इसके बारे में कैसे बात करते हैं? जब आप इसके बारे में बात करते हैं, तो बाइबल जीवन को कैसे प्रस्तुत करती है? जीवन कौन देता है? जीवन को कौन नियंत्रित करता है? कौन तय करता है कि आप कब कब्र में जाते हैं? विशेष रूप से काव्यात्मक ग्रंथ हैं जो इस बारे में बात करते हैं।

हम जो पूछ रहे हैं, उसे संबोधित करने का इरादा नहीं था, लेकिन इसका उद्देश्य जीवन के बारे में उनका दृष्टिकोण क्या था, और यह शास्त्र का हिस्सा है, और इसलिए कुछ ऐसा है जिसे आप गंभीरता से लेते हैं। इसका पता लगाना आसान नहीं है, है न? आप देखिए, आपने सोचा कि ईश्वर की इच्छा जानने का मतलब है कि आप अपनी अगली गाड़ी के रूप में शेवरले या फोर्ड खरीदेंगे। खैर, यह बचकानी बात है।

यह असली चीज़ है। आनुवंशिक विज्ञान। क्लोनिंग।

वास्तव में ऐसे बच्चे क्लोन किए गए हैं, जिनसे दूसरे बच्चों को अंग प्रदान किए जा सकें, ताकि वे जीवित रह सकें। इनमें से कुछ वैध हैं, कुछ अवैध। वैज्ञानिकों के बीच आनुवंशिक विज्ञान की नैतिकता और डीएनए कोड के साथ छेड़छाड़ को लेकर वास्तव में बहुत बड़ी बहस चल रही है।

विज्ञान जो कुछ करने में सक्षम हो गया है। अद्भुत चीजें। कुछ मायनों में अच्छी चीजें, लेकिन यह नैतिकता का मुद्दा भी सामने लाता है।

और कुल मिलाकर, वैज्ञानिकों की नैतिकता में कोई रुचि नहीं है। वे केवल विज्ञान में रुचि रखते हैं। और आप नास्तिक और अज्ञेयवादी वैज्ञानिकों को लें, तो वे जीवन के किसी भी तरह के धार्मिक दृष्टिकोण को नज़रअंदाज़ कर देंगे, चाहे वह किसी भी धर्म का हो।

तो, आनुवंशिक विज्ञान, क्लोनिंग, भ्रूण के ऊतकों का उपयोग, और भी बहुत सी चीजें जो मैं जानता हूँ। मैंने एक दशक पहले इस पर कुछ शोधपत्र लिखे थे, और तब से मैंने इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया है, इसलिए, मैं इसे जानने का स्रोत नहीं हूँ। लेकिन इसके लिए शास्त्रों से रचनात्मक निर्माण की आवश्यकता होती है।

बाइबल में सीधे तौर पर ऐसा कुछ नहीं कहा गया है। जब यह बोलती है, तो आपको यह समझना होगा कि यह क्या कहती है। ट्रांसजेंडर मुद्दे।

खैर, यह थोड़ा आसान है क्योंकि बाइबल यह स्पष्ट रूप से बताती है कि हमें नर और मादा के रूप में बनाया गया है, और हमें बच्चे पैदा करने हैं, और बच्चे या तो नर या मादा होंगे। और बाइबल में विकृत कामुकता के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। मैं अभी इस पर बात नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन यह एक और बात है।

मैं शायद नीचे भी इसका उल्लेख करूंगा। तो ट्रांसजेंडर मुद्दे। मुझे लगता है कि मामला इसके खिलाफ है।

लेकिन आपके पास इस बात के लिए तर्क होना चाहिए कि आप क्यों मना करेंगे। लैंगिकता के मुद्दे। उदाहरण के लिए, समलैंगिकता और समलैंगिकता की निंदा पुराने और नए नियम दोनों में की गई है।

मैं जानता हूँ कि कुछ उदारवादी लोग हैं जिन्होंने कुछ किताबें लिखी हैं और पाठ के साथ व्याख्यात्मक जिम्नास्टिक खेलते हैं। लेकिन सच तो यह है कि बाइबल अपेक्षाकृत अधिक स्पष्ट है। रोमनों की पुस्तक में भी इस बात का उल्लेख है।

समलैंगिक विवाह भी इसी श्रेणी में आता है। इसलिए, ईसाई चर्च आम तौर पर कामुकता की इन अभिव्यक्तियों के खिलाफ रहा है। ऐसा नहीं है कि हम इन लोगों से नफरत करते हैं, बल्कि हम मानते हैं कि वे उस मार्ग का अनुसरण नहीं कर रहे हैं जो उन्हें बनाने वाले ईश्वर ने निर्धारित किया है।

और इससे अलग-अलग तरीकों से निपटना होगा। उदाहरण के लिए, समलैंगिकता की स्थिति, चाहे वह पुरुष हो या महिला। हम सभी के परिवार में कोई न कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो इस श्रेणी में आता है।

और कई बार, यह परिवार में सबसे अच्छा व्यक्ति होता है, जहाँ तक अच्छा होना, दयालु होना, मददगार होना है। मैंने इसे कई बार देखा है। क्या आपने देखा है कि कला के उच्चतम स्तरों पर कितने कलाकार इस क्षेत्र में हैं? अच्छा, लेकिन क्या यह इसे उचित ठहराता है? नहीं।

यदि आप बाइबल के अनुसार विश्वदृष्टि रखते हैं, तो न केवल हमारे मन का पतन और विकृति हुई है, बल्कि जैसे बाढ़ आई, पृथ्वी, बल्कि मनुष्य भी विकृत हो गए हैं। डीएनए कोड वह नहीं है जिसे भगवान ने मूल रूप से डिज़ाइन किया था। यह विभिन्न तरीकों से विकृत है।

और इसलिए समलैंगिकता के बारे में यह पूरी बहस, जहाँ पाठ स्पष्ट है, लोग पाठ को छोड़कर सही या गलत के बारे में बहस में चले जाते हैं। और वे पालन-पोषण और प्रकृति के बारे में बात करते हैं। क्या आपको इसके लिए पाला-पोसा गया है या यह आपके स्वभाव का हिस्सा है? और कुछ ईसाई कहेंगे, ठीक है, यह आपके स्वभाव का हिस्सा नहीं हो सकता।

भगवान ने आदम और हव्वा को इस तरह नहीं बनाया। यह सच है। हालाँकि, पतन के कारण आपका स्वभाव बिगड़ गया है।

इसलिए, विचार करने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं। यह विषय उच्च वर्गीकरण चर्चा है। और फिर भी आप यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि भगवान की इच्छा क्या है।

खैर, आप सतही निर्णय ले सकते हैं, जो हममें से ज्यादातर लोग उच्चतर निर्णय लेने के योग्य नहीं हैं। तो हम क्या करते हैं? हम ऐसे लोगों को पढ़ते हैं जो जानने की स्थिति में हैं, विज्ञान के आधार पर तर्कपूर्ण निर्णय लेने की स्थिति में हैं और शास्त्रों के उससे संबंधित होने के आधार पर भी तर्कपूर्ण निर्णय लेने की स्थिति में हैं। एक और मुद्दा, जो अब उन पर बात करने के बाद हल्का लगता है, वह है युद्ध का मुद्दा।

युद्ध के बारे में क्या? सामूहिक विनाश के बारे में क्या? जापान पर गिराए गए बमों के बारे में क्या? निकट पूर्व में रासायनिक युद्ध के बारे में क्या, जिसकी रिपोर्ट उनके अपने लोगों के बीच भी की गई है? युद्ध। आत्मरक्षा के बारे में क्या? क्या यह हत्या को मंजूरी देता है? क्या यह हत्या को मंजूरी देता है? शांतिवाद के बारे में क्या? यदि आप ईसाई हैं तो क्या आपको शांतिवादी होना चाहिए? खैर, यहाँ भी, बाइबल युद्ध प्रस्तुत करती है। वास्तव में, भगवान ने इसकी आज्ञा दी थी।

कनानी स्थिति में उन सभी को मार डालो। यही है। यही इसका हिस्सा है।

और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण होना चाहिए। इसलिए, ये चुनौतीपूर्ण हैं। वास्तव में, किताबों के उन सेटों में से एक जिसे आपको इकट्ठा करना चाहिए, उसे काउंटरपॉइंट्स सीरीज़ कहा जाता है।

ज़ोंडरवन, मुझे लगता है कि बेकर और क्रेगल के पास भी, विशेष रूप से, एक श्रृंखला है। वे सभी उन्हें काउंटरपॉइंट नहीं कहते हैं, लेकिन ज़ोंडरवन कहते हैं। ज़ोंडरवन के पास युद्ध पर चार विचारों, शांतिवाद पर चार विचारों और समलैंगिकता पर चार विचारों पर संभवतः 50 खंड हैं।

और ऐसा नहीं है कि हमारे पास चार समान दृष्टिकोण हो सकते हैं, बल्कि यह आपके सामने रखता है और आपके लिए सूचना तक पहुंच, अध्ययन करना और सक्षम होना आसान बनाता है।